LEBENS RÄUME Friederike Höfer



Januar

| 1 | |
|----|---|
| 2 | |
| 3 | _ |
| 4 | _ |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | _ |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | _ |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | _ |
| 14 | _ |
| 15 | |
| 16 | |
| | |



"Selbstliebe"

| 17 | 22 | 27 |
|----|----|----|
| 18 | 23 | 28 |
| 19 | 24 | 29 |
| 20 | 25 | 30 |
| 21 | 26 | 31 |

Februar

| 1 | |
|-----------------------|--|
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 3 4 5 6 7 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |



"Ehrlichkeit" · Mu-Ki-Bild

| 16 | |
|----|--|
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |
| 20 | |
| 21 | |
| 22 | |
| 23 | |
| 24 | |
| 25 | |
| 26 | |
| 27 | |
| 28 | |
| | |

März

| 1 |
|----|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 5 |
| 6 |
| 7 |
| 8 |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |



 ${\it "Herzensweisheit"} \cdot {\it Mu-Ki-Bild}$

| 16 | |
|----|--|
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |
| 20 | |
| 21 | |
| 22 | |
| 23 | |
| 24 | |
| 25 | |
| 26 | |
| 27 | |
| 28 | |
| 29 | |
| 30 | |
| 31 | |

April

| 1 |
|-----------------------|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 5 |
| 5 6 7 8 9 |
| 7 |
| 8 |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |



" Das ist das Leben"

| 16 |
|----|
| 17 |
| 18 |
| 19 |
| 20 |
| 21 |
| 22 |
| 23 |
| 24 |
| 25 |
| 26 |
| 27 |
| 28 |
| 29 |
| 30 |

Mai

| 1 |
|----|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 5 |
| 6 |
| 7 |
| 8 |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |
| 16 |
| |



"Endlich - sein"

| 17 | 22 | 27 |
|----|----|----|
| 18 | 23 | 28 |
| 19 | 24 | 29 |
| 20 | 25 | 30 |
| 21 | 26 | 31 |

Juni

| 1 |
|------------------|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 2 3 4 5 |
| 6 |
| 6 7 |
| |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |



"Zuhause - sein"

| 16 |
|----|
| 17 |
| 18 |
| 19 |
| 20 |
| 21 |
| 22 |
| 23 |
| 24 |
| 25 |
| 26 |
| 27 |
| 28 |
| 29 |
| 30 |

Juli

16

| 1 | | |
|----|--|--|
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |



"Bewusstheit"

| 17 | 22 | 27 |
|----|----|----|
| 18 | 23 | 28 |
| 19 | 24 | 29 |
| 20 | 25 | 30 |
| 21 | 26 | 31 |

August

| 1 |
|------------|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 5 |
| 6 |
| <u>6</u> 7 |
| 8 |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |
| 16 |
| |



"Reife" · Mu-Ki-Bild

| _ | | | |
|---|----|----|----|
| _ | 17 | 22 | 27 |
| _ | 18 | 23 | 28 |
| _ | 19 | 24 | 29 |
| | 20 | 25 | 30 |
| | 21 | 26 | 31 |
| _ | | | |

September

| 1 |
|----------------------------|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 2 3 4 5 6 7 |
| 6 |
| 7 |
| |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |



"Im Werden und Sein"

| 16 |
|----|
| 17 |
| 18 |
| 19 |
| 20 |
| 21 |
| 22 |
| 23 |
| 24 |
| 25 |
| 26 |
| 27 |
| 28 |
| 29 |
| 30 |

Oktober

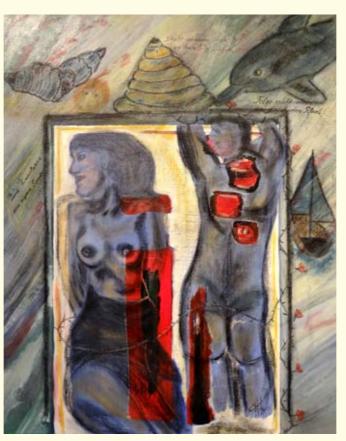
| 1 | |
|----|--|
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| | |



| 22 | 27 | |
|----|----------------|----------------------------|
| 23 | 28 | |
| 24 | 29 | |
| 25 | 30 | |
| 26 | 31 | |
| | 23 24 25 | 23 24 29 25 30 |

November

| 1 |
|----|
| 2 |
| 3 |
| 4 |
| 5 |
| 6 |
| 7 |
| 8 |
| 9 |
| 10 |
| 11 |
| 12 |
| 13 |
| 14 |
| 15 |



"Authentisch - Sein"

| 16 | |
|----|--|
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |
| 20 | |
| 21 | |
| 22 | |
| 23 | |
| 24 | |
| 25 | |
| 26 | |
| 27 | |
| 28 | |
| 29 | |
| 20 | |

Dezember

| 1 | |
|----|--|
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |



"Stille Nacht"

| 17 | 22 | 27 |
|----|----|----|
| 18 | 23 | 28 |
| 19 | 24 | 29 |
| 20 | 25 | 30 |
| 21 | 26 | 31 |

Vita

Seit 1983 lebe ich mit meiner Familie in Scheeßel, bin 58 Jahre alt und von Beruf Krankenschwester.

Das Malen entdeckte ich mit 25 und mittlerweile ist es für mich Leidenschaft, Kraftquelle und Freude geworden. Ich bin Autodidakt. Die Grundsätze der verschiedensten Maltechniken und meinen persönlichen Pinselstrich erarbeitete ich mir durch eigene Entwicklung und Ausprobieren der Materialien über die Jahre.

In dieser Zeit sind auch meine Mu-Ki-Bilder entstanden.
Sie bedeuten eine Bild in Bild Gestaltung, und dreht der Betrachter das Bild sind neue Motive zu erkennen.
Immer wieder kommen die wichtigsten Lebensthemen zum Vorschein. Zum Beispiel: Authentisch sein,
Mut. Herzensweisheit oder Selbstliebe.

Seit nun 8 Jahren unterstütze ich mit dem Verkauf meiner Bilder, Kalender und Karten das Kinderhospiz Löwenherz in Syke. Mit meinen Bildern möchte ich Ihnen einen Impuls geben für Farbharmonie und Motivverständnis, denn diese Lebensthemen berühren uns alle.

Herzliche Grüße Ihre Friederike Höfer